

ठाड़ो हलिया कदम की ह्रांव
मुरलिया पे रंग बरसे

अधरों पर मुरलिया सोहे ॥2॥

सखिन मन मोहत है

बजे ह्म-ह्म पायलिया पाँव

मुरलिया पे -----

आई खेलन कान्हा के संग होली ॥2॥

चोली पे रंग डारत है

दौड़ी आई कन्हैया के गाँव

मुरलिया पे रंग -----

पिचकारी चली रंग भारी ॥2॥

गालों पे रंग मारत है

बचवे को- लगा रओ है दाँव

मुरलिया पे रंग बरसे -----

राधा खों पकड़वे दौड़े ॥2॥

नहीं बच पावत है

देहो जियरा में- कितने घाव

मुरलिया पे -----

आज देखो "श्री बाबा श्री" रंगो भारी ॥2॥

गोपी के मुख मोहत है

पार करियो- सबई की नाँव

मुरलिया पे रंग बरसे -----